जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 139
दिनांक 08.09.2022

कृषि शिक्षा के साथ दीक्षा, स्वयं की अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट माध्यम – कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन

11 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला अभिव्यक्ति 2022 का समापन

जबलपुर 08 सितम्बर। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कृषि महाविद्यालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के सौजन्य से, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा आयोजित 11 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला अभिव्यक्ति –2022 का समापन, कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. बिसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार 11 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला अभिव्यक्ति –2022 का आयोजन, भव्यता के साथ किया गया। यह कृषि के छात्र–छात्राओं के लिये बहुत ही उपयोगी, कौशल उन्नयन में मील का पत्थर साबित होगा। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर पहचान व विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने हेतु आत्म–विश्वास प्राप्त होता है। साथ ही सांस्कृतिक क्षेत्र की अलग–अलग विधाओं में निपुण होंगे, और जनेकृविवि का प्रतिनिधित्व कर, अपनी एवं विश्वविद्यालय की पहचान विश्वपटल पर बनायेंगें। 11 दिवसीय कार्यशाला में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी. के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, कुलसचिव श्री रेवा सिंह सिसोदिया, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. ए. के. सरावगी मंचासीन रहे।

सांस्कृतिक कार्यशाला संयोजक एवं आयोजक डॉ. अमित शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 11 दिनों तक सांस्कृतिक कार्यशाला में सतत् सांस्कृतिक, साहित्य, ललितकला क्षेत्र एवं रंगमंच के स्थापित ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। अभिव्यक्ति–2022 कार्यक्रम का आयोजन हायब्रिड मोड में हुआ था।, इसमें जनेकृविवि के अन्तर्गत आने वाले समस्त 11 महाविद्यालय (रीवा, टीकमगढ़, छिदवाड़ा, बालाघाट, रहली, पवारखेड़ा, बालाघाट, जबलपुर) के छात्र–छात्रायें अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई है। 11 दिवसीय अभिव्यक्ति 2022 के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य हर विधा में प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया, एवं छात्र–छात्राओं ने अपनी उत्कृष्टता व कला कौशल प्रदर्शित किया। इस दौरान फाइन आर्ट विधा, रंगोली में प्रथम स्थान, आशी जैन, क्ले मॉडलिंग नम्रता सूर्यवंशी, पेंटिग में सेफाली गुप्ता, कार्टूनिंग में अमन सिंह गोंड, एकल गायन में प्रसन्ना सोनी, तात्कालिक भाषण मानसी गौर, रंगमंच विधा में एकल अभिनय में रश्मि मिश्रा, मूक अभिनय/ नृत्य आदि के पुरूष्कार प्रदान किये गये। इसके अलावा उद्घोषक के प्रथम रश्मि मिश्रा, द्वितीय अपूर्वा तिवारी, तृतीय अनुश्री तिवारी को पुरूष्कार प्रदान किये गये।

कार्यशाला के समापन अवसर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावन प्रतिभागियों को कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा, एवं आभार प्रदर्शन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. ए. के. सरावगी द्वारा किया गया। 11 दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ नृत्य, लोकनृत्य श्री संजय पांडे द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समापन में सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. रत्नेश श्रीवास्तव, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ, अनुपमा वर्मा का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समस्त विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिकों के अलावा नाहेप परियोजना प्रमुख डॉ. आर. के. नेमा, डॉ. एस. बी. नाहटकर, सुरक्षा अधिकारी वाय. एम. शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, छात्रावास अधीक्षक डॉ. सी. एस. पांडे, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. आनंद पांडे, डॉ. मरावी, डॉ. योगेन्द्र सिंह, डॉ, पवन अमृते एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में खेलकूद अधिकारी डॉ. आशीष कुमार निगम, डॉ. धर्मेन्द्र नरवरिया, डॉ. विवेक बड़े एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग के कर्मचारी श्री राजू चौहान, श्री यशवत सिंह की विशेष भूमिका हैं।